निर्भर करते हुए दिन-प्रतिदिन भिन्न-भिन्न होती है । इसके अतिरिक्त, निगम का मेट/कामगार प्रबंध समिति, सहकारी समिति और ठेका प्रणालियों के माध्यम से लगाए गए श्रमिकों की संख्या पर कोई नियंत्रण नहीं होता है । अत: लगाए गए श्रमिकों की ठीक-ठीक संख्या उपलब्ध नहीं है ।

(ख) उपयुक्त प्राधिकारी द्वारा ठेका श्रम (विनियम और उत्पादन) अधिनियम, 1970 के अधीन निगम में/निगम के अधीन ठेका श्रमिकों को रोजगार देने में रोक लगाने विषयक अधिसूचना जारी करने के बाद उपलब्ध कार्य की मात्रा, जितनी अवधि के लिए कार्य उपलब्ध है और रोजगार पर लगाए गए प्रत्येक कामगार पर प्रतिदिन के लिए लागू कार्यभार के मानदण्डों जैसी कुछ याथार्थक कसौटी अपना कर कामगारों को नियमित करने के मामलों पर विचार किया जाता है ।

(ग) चूंकि उत्तर के भाग (ख) में उल्लिखित कसौटी के अनुसार अपेक्षित संख्या में श्रमिकों को नियमित कर दिया गया था, इस लिए भारतीय खाद्य निगम द्वारा किसी श्रमिक को हटाने का प्रश्न ही नहीं उठता ।

**Details of Stock of Rice and Wheat in Government Agencies**

1611. SHRI S. S. AHLUWALIA : Will the Minister of FOOD be pleased to state :

(a) whether it is a fact that Government have enhanced the prices of wheat and rice old through Fair Price shops under PDS;

(b) the details of prices of wheat and rice as prevailed on January 31 of the year 1990, 1991, 1992 and 1994;

(c) the details of stocks of Wheat and Rice with Government agencies as on the dates mentioned in part (b) above ;

(d) whether Government's attention has been drawn to the fact that in the main foodgrain mandis in Haryana and Punjab prevailing price of even superior quality wheat remained lower than the selling price of the item by PDS which is considered to be the first occasion in the history of PDS that the PDS price of the foodgrains became higher than its price in the open market; and

(e) if so, reaction of Government thereto

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF FOOD (SHRI KALP NATH RAI) : (a) To partially absorb the increase in the procurement prices of wheat and paddy paid to farmers during 1993-94 and consequential increase in their procurement cost, the Central Issue Prices (ex-FCI godown) of wheat and rice issued to the States/Union Territories by Food Corporation of India from the Central Pool for the public distribution system (PDS) have been increased with effect from 1-2-1994 as under :—

(Rs. per quintal)

| Commodity | Central Issue Price (ex-FCI godown) | |
|---|---|---|
| | Prior to 1-2-94 | from 1-2-1994 |
| Wheat | 330.00 | 402.00 |
| Rice : Common | 437.00 | 537.00 |
| Fine | 497.00 | 617.00 |
| Superfine | 518.00 | 648.00 |

(b) and (c) A statement is enclosed (*See* below)

(d) and (e) Open market prices are dependent on the relative position of overall supply and demand of foodgrains in the market. The open sale of wheat and rice by Food Corporation of India has had a sobering effect on the prices of wheat and rice in the open market.

**Statement**

*Details of CIPs of Wheat and Rice for PDS as Prevailed on January 31st of the Years 1990, 1991, 1992 and 1994 and the Details of Stocks Wheat and Rice with Government Agencies on these Dates*

Value : (in Rs. per quintal)
Qnty. : (in lakh tonnes)

| Commodity | DATE | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 31-1-1990 | | 31-1-1991 | | 31-1-1992 | | 31-1-1994 | |
| | CIP | Stock Position | CIP | Stock Position | CIP | Stock Position | CIP | Stock Position |
| Wheat . . | 204 | 50.70 | 234 | 81.69 | 280 | 43.48 | 330 | 98.18 |
| Rice : Common . | 244 | | 289 | | 377 | | 437 | |
| Fine . | 304 | 83.90 | 349 | 108.57 | 437 | 101.01 | 497 | 133.02 |
| Superfine . | 325 | | 370 | | 458 | | 518 | |

**चीनी का उत्पादन**

**1612. श्री एस० एस० अहलूवालिया :** क्या खाद्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि वर्ष 1993-94 के दौरान देश में चीनी का उत्पादन लक्ष्य से बहुत कम होने की आशंका है;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या यह भी सच है कि चीनी के उत्पादन में कमी का कारण चीनी मिलों द्वारा किसानों को समय पर भुगतान न करने की प्रवृत्ति है जिसके कारण किसानों ने गन्ने की बुवाई में कमी कर दी है;

(घ) यदि हां, तो किसानों की कितनी धनराशि चीनी मिलों पर देय है और उसका राज्य-वार ब्यौरा क्या है; और

(ङ) सरकार चीनी के उत्तादन में वृद्धि करने तथा चीनी मिलों द्वारा किसानों के पैसे का समय पर भुगतान सुनिश्चित करने हेतु क्या कार्यवाही करने का विचार रखती है ?

**खाद्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कल्प: नाथ राय :** (क) और (ख) आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान चीनी उद्योग के लिए विकास कार्यक्रम तैयार करने हेतु गठित समिति ने 1993-94 चीनी मौसम के लिए 127.76 लाख टन चीनी के उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया था । चालू चीनी मौसम 1993-94 के दौरान 7 फरवरी, 1994 तक चीनी का कुल उत्पादन 56.92 लाख टन (अनंतिम) हुआ था । उत्पादन की वर्तमान प्रवृत्ति दर्शाती है कि उत्पादन लक्ष्य से कम होगा । तथापि, उत्पादन में कमी का सही मूल्यांकन करना जल्दबाजी होगी ।

(ग) और (घ) चीनी के उत्पादन में कमी मुख्यत: गन्ना क्षेत्र के घटने, गन्ने के उत्पादन में गिरावट, गुड़ और खांडसारी क्षेत्र की